दैनिक भास्कर
भीलवाड़ा भास्कर 15-07-2025

जिंक कौशल ने 8,600 ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण दिया

भीलवाड़ा | हिन्दुस्तान जिंक की सीएसआर पहल जिंक कौशल केंद्र से प्रशिक्षित युवा अब विदेशों में भी कामयाबी पा रहे हैं। अब तक 8,600 से ज्यादा ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। इनमें 45 प्रतिशत महिलाएं हैं। राजस्थान और उत्तराखंड के 6 जिलों में 7 केंद्रों के जरिए यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। डबोक की दीपिका देवड़ा ने हॉस्पिटेलिटी में प्रशिक्षण लिया। पहले स्थानीय होटलों में काम किया। अब स्पेन की मारेला क्रूज में काम कर रही हैं। उन्हें हर माह 60 हजार रुपए वेतन, आवास और अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिल रहा है। अजमेर के पास ग्राम निवासी ललित जांगिड़ ने कायड़ केंद्र से असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन का कोर्स किया। पहले भिवाड़ी की मदरसन सूमी में काम किया। अब सऊदी अरब की एस्टेरिक्स कंपनी में तकनीशियन हैं। उन्हें हर माह 50 हजार रुपये वेतन मिल रहा है। हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा, हम सिर्फ प्रशिक्षण नहीं दे रहे, ग्रामीण भारत का भविष्य गढ़ रहे हैं। 2019 से संचालित जिंक कौशल केंद्रों से प्रशिक्षु टाटा मोटर्स, एसबीआई काड्र्स, जाइडस हॉस्पिटल्स और रिलायंस रिटेल जैसी कंपनियों में काम कर रहे हैं।